

(4)

बाधा - डाटानाम - डा० ज्ञानु प्रताप सिंहपिता का नाम - स्व० श्री रमा शंकर सिंहजन्म तिथि - ०१ - ०१ - १९६०पता - १/२ काशी कम्पाउण्ड

मकट - काचदरी बस स्टेशन

सीवील लाइन

जिला - गोरखपुर



रमेश
बौधीच - स. वि. प्रलय
बहुमपुर - पाण्डव नगर बस्ती (मु.पी.)

शैक्षिक योग्यता -

परीक्षा का नाम	बोर्ड / संस्था	वर्ष	पूर्णांक	प्राप्तांक
हाई स्कूल	पू. पी. बोर्ड	१९७७	५००	२३०
इ-२२	"	१९७९	५००	२५२
बी. ए.	गो. विश्व विद्यालय गोरखपुर	१९८१	९००	५५८
बी. एड.	"	१९९१	५०० २०० (उपयोगात्मक)	३५० १५०
स्व. एड.	"	१९९६	७००	५५९
स्व. एड. (योजनाशील)	"	१९८३	१०००	५९८
बी. एड. डी.		२००२		

H/A -

प्राचार्य

जीवरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पदमपुर, पाण्डव नगर - बस्ती

बाधा

डा० ज्ञानु प्रताप सिंह

१६७७

हाई स्कूल

महीप नारायण शाही जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महावीर छपरा, गोरखपुर

सन् १९८८

दिनांक १२-६-८८

परिपत्र द्वारा संचालित १९८७ की हाई स्कूल परीक्षा में संस्थागत/व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में सम्मिलित मानु प्रताप सिंह

१५/१२/८८

द्वारा प्राप्तांकों का विवरण

का नाम केशव हिन्दू

परीक्षार्थी द्वारा लिखे गये विषयों के नाम	विषय के लिए निर्धारित अंक	प्रथम परीक्षा	द्वितीय परीक्षा	तृतीय परीक्षा	चतुर्थ परीक्षा	योग	प्रथम	द्वितीय	योग	कुल योग	परीक्षाफल
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	इस स्तरीय परीक्षा के लिए आवश्यक प्रविष्टियाँ आदि दी जाय
(१) हिन्दी	१००	१८	१६	१२	—	४६				४८	उत्तीर्ण श्रेणी <u>द्वितीय</u>
(२) गणित/ सामान्य गणित/ गृह-विज्ञान	१००	१८	१०	—	—	२८				३३	विशेष योग्यता कृपा
(३) जागो	१००	२४	२३	—	—	४७				४७	अनुत्तीर्ण
(४) अंग्रेजी	१००	२२	२३	—	—	४५				४५	अपूर्वक परीक्षा के लिए अधिकारी है
(५) योग-सूत्र	१००	३२	३४	—	—	६६				६६	स्वतः परीक्षणीयता का अधिकारी है
(६)											कारी है

सम्पूर्ण प्राप्तांकों (शतों में) से २३० (शतों में)

परीक्षाफल के सम्बन्ध में आवश्यक सूचना

- (१) प्रत्येक विषय न्यूनतम वा उत्तीर्णांक ३३ प्रतिशत है। जिस विषय में लिखित एवं क्रियात्मक परीक्षा के लिए न्यूनतम उत्तीर्णांक विवरण पत्रिका (Prospectus) में निर्धारित है, उनमें परीक्षार्थी को उत्तीर्ण होने के लिये दोनों में प्रत्येक न्यूनतम अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।
- (२) विशेष योग्यता पाने के लिये जिस विषय के सम्पूर्ण प्राप्तांकों योग में ७५ प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है।
- (३) प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी होने के लिये सम्पूर्ण योग कम से कम क्रमशः ६०, ४५ एवं ३३ प्रतिशत होना आवश्यक है।
- (४) यदि कोई परीक्षार्थी सम्पूर्ण परीक्षा में सम्मिलित हुआ है तथा केवल एक विषय में अनुत्तीर्ण है, तो वह पूरक परीक्षा का अधिकारी है।
- (५) पूरक परीक्षा के योग्य घोषित होने वाले सभी परीक्षार्थी स्वतः परीक्षणीयता के अधिकारी नहीं होंगे। केवल वे परीक्षार्थी, जो केवल एक विषय में २८ प्रतिशत घटमा उनसे अधिक अंक प्राप्त करने पर अनुत्तीर्ण घोषित किये गये हैं पूरक परीक्षा के अधिकारी होने के साथ ही साथ स्वतः परीक्षणीयता के अधिकारी भी होंगे। उनकी उत्तर पुरतिकाओं का परीक्षणीयता बिना शुल्क के ही किया जायेगा। अतः उन्हें वांछित शुल्क जमा करने की आवश्यकता नहीं है। फिर भी यदि वे भ्रष्टाचार के लिए शुल्क जमा कर देंगे तो उसे लौटाया नहीं जायेगा।

20/12/88

प्रबन्धक

श्री जी चरण सिंह महाविद्यालय

गोरखपुर - पाण्डव नगर बस्ती (पू.)

१५/१२/८८

प्राचार्य

श्री जी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पाण्डव नगर - बस्ती

महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, गोरखपुर

दिनांक 92.6.6-8

अनुक्रमिक शुद्धि

वर्ग ५

[illegible]

प्रश्न	क्या है	किसी चीज का	यदि सम्मान सविनय सम्पत्ति है तो यह उत्कृष्ट व्यवहार	यदि पुरक परीक्षा का अधिकारी है ? यदि हो तो विषय	यदि विद्यार्थी सन्नि- रीक्षा का अधिकारी है ?
प्रश्न 1. द्वितीय कृति प्रश्न 2. प्रश्न 3.	X	X	X	X	X

महोदय का प्रयास करनी चाहिये कि जिससे यह अधिक सुगम हो अथवा नहीं इसका जांच परीक्षाधीनी के विचारों के अनुसार करना चाहिये। यदि कोई अधिकारी यदि तो प्रधानाचार्य/केन्द्र व्यवस्थापक को सूचित करके ही ऐसा निर्णय करना चाहिये। अन्यथा भूल सुधार में बिलम्ब हो सकती है। जो परीक्षाधीनी के लिए अधिकतर समय का उपयोग करने में जायज है यदि कोई भ्रष्ट अधिकारी को इसकी सुचना सुनाती है प्रधानाचार्य/केन्द्र व्यवस्थापक को दी जायेगी और वे सम्बन्धित परीक्षाधीनी को इसकी सूचना देंगे।

८. शाश्वतक सन्ध्यान्धो नियमः—

- (१) प्रत्येक विषय के न्यूनतम उत्तीर्ण ३३% है। वित्त विषयों में कियामतक परीक्षा होती है उनमें लिखित तथा दिनात्मक परीक्षा के लिए प्रत्येक-अथवा न्यूनतम उत्तीर्णिक निर्धारित है।
- (२) उत्तीर्ण होने के लिये निम्नानुसार न्यूनतम अंश में तब तक नहीं होते चाहिये। निर्धारित न्यूनतम उत्तीर्णिक से कम होने पर प्राप्तांक वृत्त के भीतर किये जाते हैं।
- (३) वित्त विषय में उत्तीर्ण अंश ३३% पर विशेष योग्यता मिलती है। सम्पूर्ण योग्यता का ७५% प्राप्तिक होने पर सम्मान पत्रित उत्तीर्ण घोषित होता है।
- (४) प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण होने के लिये प्राप्तांक योग्य सम्पूर्ण निर्धारित अंकों का क्रमशः ६०, ४५ एवं ३३% होना चाहिये।
- (५) यदि कोई परीक्षार्थी सम्पूर्ण परीक्षा में सम्मिलित हुआ है तथा वह केवल एक विषय में अनुत्तीर्ण है तो वह उस विषय में पुनः परीक्षा का अवसरही होगा।
- (६) पुनः परीक्षा के योग्य श्रेणी में आने वाली परीक्षार्थी स्वतः सन्निरीक्षा के अधिकारी नहीं होंगे। केवल वे परीक्षार्थी जो तब तक पुनः परीक्षा के योग्य नहीं आये, अथवा अपने अधिकार प्राप्त करने पर भी अनुत्तीर्ण घोषित किये गए हैं वे पुनः परीक्षा के अधिकारी घोषित होने के साथ ही साथ स्वतः सन्निरीक्षा के अधिकारी होंगे। इनकी उपर पुनःकी भी सन्निरीक्षा निःशुल्क होगी।

अनाम बाले के हस्ताक्षर

जांचकर्ता के दस्तावेज ... 109

24-4-67
प्रबन्धक प्रधानाचार्य
श्रीधर बरण सिंह महाविद्यालय
पद्मपुर - पाण्डव नगर बारी (बरेली)
92/1/1 (क. प. उ.)
प्रधानाचार्य,
सिंहाराम

$$f(x) = x^2 - 2x + 1$$

प्राचार्य
महाराष्ट्र प्रशासक विद्यालय

क्रमांक १५६६६६

क्रम-संख्या १५५६५९

माध्यमिक शिक्षा परिषद्



इण्टरमीडिएट परीक्षा, १९७६

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी/परीक्षार्थिनी, जिसका अभिलेखानुसार विवरण निम्नवत् है,
ने माच-अप्रैल, १९७९ की इण्टरमीडिएट परीक्षा द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की है
में विशेष योग्यता प्राप्त की है।

नाम मानु प्रताप सिंह

पिता का नाम श्री रमेश शंकर सिंह

विद्यालय/केन्द्र का नाम महाराजा प्रताप इण्टरमीडिएट कॉलेज,
गो-बिन्दपुर

परीक्षा-विषय :—

१—साहित्यिक हिन्दी/सामान्य हिन्दी

२—उर्दू शास्त्र

३—नागरिक शास्त्र

४—संस्कृत

५—इतिहास (सामान्य)

६—गणित

इलाहाबाद :

दिनांक ८ अगस्त, १९७६ ई० ।

(बी० पी० खण्डेलवाल)

सचिव ।

१५-१-७६ 2000

प्राचार्य प्रबन्धक
वीरगोपाल सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पदवापुर, बाण्डा नगर - बन्नी
वीरगोपाल सिंह महाविद्यालय

सेण्ट ऐण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर

(गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध)



No. 1635

अनुक्रमांक 100146

1981 परीक्षा की अंकतालिका (द्वितीय)
बी० ए०/बी० एस०-सी० भाग द्वितीय

क्रमांक

अन्यथा का नाम भानु प्रताप सिंह
परीक्षा केन्द्र सेण्ट ऐण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर

नामांकन संख्या
संस्थागत/भूतपूर्व/स्वतंत्र

विषय	उच्चतम अंक	भूतपूर्व अंक	प्राप्तांक					पूर्ण योग	परीक्षाफल
			प्रश्न पत्र प्रथम	प्रश्न पत्र द्वितीय	प्रश्न पत्र तृतीय	योग सिद्धान्त	प्रयोगात्मक		
१-सामान्य हिन्दी	100	25							
२-सामान्य अंग्रेजी	100	25						—	
३-								—	
१- शिक्षा शास्त्र	150	50	41	32		73		73	ये अंक सम्पूर्ण योग में नहीं जोड़े जायेंगे।
२- आर्थ शास्त्र	150	50	42	38		80		80	
३- राज० शास्त्र	150	50	48	27		75		75	
			योग					228	450
			भाग १ के प्राप्तांक					230	450
			भाग १ एवं २ का सम्पूर्ण योग					458	900

हस्ताक्षर लेखक
हस्ताक्षर पर्यवेक्षक
दिनांक
मुद्रित : १०००/वर्ष-१९८५

शब्दों में चार सौ अठ्ठावन मात्र

प्रबन्धक

चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय
पड़मापुर-पाण्डव नगर बरती (पपी.)

सेण्ट ऐण्ड्रयूज कालेज
गोरखपुर

प्राचार्य

चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय

क्रमांक १००१४६

क्रमांक N° 000526



बैचलर आफ आर्ट्स

प्रमाणित किया जाता है कि मानु प्रताप सिंह

(सेण्ट सेण्ट्रियूज कॉलेज, गोरखपुर)

ने इस विश्वविद्यालय से १९८१ की परीक्षा में
बैचलर आफ आर्ट्स की उपाधि द्वितीय श्रेणी
में प्राप्त की।

परीक्षा के विषय :-

१. शिक्षाशास्त्र

२. अर्थशास्त्र

३. राजनीतिशास्त्र

४.

गोरखपुर विश्वविद्यालय

विजयादशमी

दिनांक २८ अक्टूबर, १९८१

28/10/81
प्रबन्धक

सौधरी बरन सिंह स. विद्यालय
गढ़मपुर-पाण्डव नगर बस्ता (बुधो.)

Ramesh

कुलपति

21.5.94

१५५१-२२
प्राचार्य

क्रमांक 438

मुद्रमांक १०५८६७

गोरखपुर विश्वविद्यालय



मास्टर आफ एजुकेशन

प्रमाणित किया जाता है कि मानु प्रताप सिंह

ने इस विश्वविद्यालय से १९८६ की परीक्षा

मास्टर आफ एजुकेशन की उपाधि प्रथम

श्रेणी में प्राप्त की।

गोरखपुर विश्वविद्यालय
विजयावशमी

दिनांक २१ अक्टूबर, १९८६

2004
प्रबन्धक

श्री श्री चरण सिंह महाविद्यालय
गोरखपुर - पाण्डव नगर बागों (यूपी.)

15-10-97

प्राचार्य

15-10-97

कुलपति

15.10.97

श्री श्री चरण सिंह महाविद्यालय गोरखपुर

Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University
Gorakhpur

062



PROVISIONAL CERTIFICATE

This is to certify that Sri/Kmt/Smt. Phanai Prater Singh
S/o D/o W/o Sri K. S. Singh has qualified
for the award of the Ph. D/D.Litt. Degree in (Education)
of this University vide notification No. 1110/RES/17/REG/1/2002 dated 27-11-2002
The topic of his/her research work was महाभारत में पाण्डवों की व्यवस्था के अंतर्गत
विद्या के की शैक्षिक व्यवस्था के संबंध में एक अध्ययन

REGISTRAR

11-20-2002

2002
प्रबन्धक
चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय
पटनापुर - बाण्डव नगर बस्ती (यूपी.)

11-20-2002
प्राचार्य
चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पटनापुर, बाण्डव नगर - बस्ती

1988 - 1989, 1989 - 1990
 1990 - 1991, 1991 - 1992
 1992 - 1993, 1993 - 1994
 1994 - 1995, 1995 - 1996
 1996 - 1997, 1997 - 1998
 1998 - 1999, 1999 - 2000
 2000 - 2001, 2001 - 2002
 2002 - 2003, 2003 - 2004
 2004 - 2005, 2005 - 2006
 2006 - 2007, 2007 - 2008
 2008 - 2009, 2009 - 2010
 2010 - 2011, 2011 - 2012
 2012 - 2013, 2013 - 2014
 2014 - 2015, 2015 - 2016
 2016 - 2017, 2017 - 2018
 2018 - 2019, 2019 - 2020
 2020 - 2021, 2021 - 2022
 2022 - 2023, 2023 - 2024
 2024 - 2025, 2025 - 2026
 2026 - 2027, 2027 - 2028
 2028 - 2029, 2029 - 2030
 2030 - 2031, 2031 - 2032
 2032 - 2033, 2033 - 2034
 2034 - 2035, 2035 - 2036
 2036 - 2037, 2037 - 2038
 2038 - 2039, 2039 - 2040
 2040 - 2041, 2041 - 2042
 2042 - 2043, 2043 - 2044
 2044 - 2045, 2045 - 2046
 2046 - 2047, 2047 - 2048
 2048 - 2049, 2049 - 2050
 2050 - 2051, 2051 - 2052
 2052 - 2053, 2053 - 2054
 2054 - 2055, 2055 - 2056
 2056 - 2057, 2057 - 2058
 2058 - 2059, 2059 - 2060
 2060 - 2061, 2061 - 2062
 2062 - 2063, 2063 - 2064
 2064 - 2065, 2065 - 2066
 2066 - 2067, 2067 - 2068
 2068 - 2069, 2069 - 2070
 2070 - 2071, 2071 - 2072
 2072 - 2073, 2073 - 2074
 2074 - 2075, 2075 - 2076
 2076 - 2077, 2077 - 2078
 2078 - 2079, 2079 - 2080
 2080 - 2081, 2081 - 2082
 2082 - 2083, 2083 - 2084
 2084 - 2085, 2085 - 2086
 2086 - 2087, 2087 - 2088
 2088 - 2089, 2089 - 2090
 2090 - 2091, 2091 - 2092
 2092 - 2093, 2093 - 2094
 2094 - 2095, 2095 - 2096
 2096 - 2097, 2097 - 2098
 2098 - 2099, 2099 - 2100
 2100 - 2101, 2101 - 2102
 2102 - 2103, 2103 - 2104
 2104 - 2105, 2105 - 2106
 2106 - 2107, 2107 - 2108
 2108 - 2109, 2109 - 2110
 2110 - 2111, 2111 - 2112
 2112 - 2113, 2113 - 2114
 2114 - 2115, 2115 - 2116
 2116 - 2117, 2117 - 2118
 2118 - 2119, 2119 - 2120
 2120 - 2121, 2121 - 2122
 2122 - 2123, 2123 - 2124
 2124 - 2125, 2125 - 2126
 2126 - 2127, 2127 - 2128
 2128 - 2129, 2129 - 2130
 2130 - 2131, 2131 - 2132
 2132 - 2133, 2133 - 2134
 2134 - 2135, 2135 - 2136
 2136 - 2137, 2137 - 2138
 2138 - 2139, 2139 - 2140
 2140 - 2141, 2141 - 2142
 2142 - 2143, 2143 - 2144
 2144 - 2145, 2145 - 2146
 2146 - 2147, 2147 - 2148
 2148 - 2149, 2149 - 2150
 2150 - 2151, 2151 - 2152
 2152 - 2153, 2153 - 2154
 2154 - 2155, 2155 - 2156
 2156 - 2157, 2157 - 2158
 2158 - 2159, 2159 - 2160
 2160 - 2161, 2161 - 2162
 2162 - 2163, 2163 - 2164
 2164 - 2165, 2165 - 2166
 2166 - 2167, 2167 - 2168
 2168 - 2169, 2169 - 2170
 2170 - 2171, 2171 - 2172
 2172 - 2173, 2173 - 2174
 2174 - 2175, 2175 - 2176
 2176 - 2177, 2177 - 2178
 2178 - 2179, 2179 - 2180
 2180 - 2181, 2181 - 2182
 2182 - 2183, 2183 - 2184
 2184 - 2185, 2185 - 2186
 2186 - 2187, 2187 - 2188
 2188 - 2189, 2189 - 2190
 2190 - 2191, 2191 - 2192
 2192 - 2193, 2193 - 2194
 2194 - 2195, 2195 - 2196
 2196 - 2197, 2197 - 2198
 2198 - 2199, 2199 - 2200
 2200 - 2201, 2201 - 2202
 2202 - 2203, 2203 - 2204
 2204 - 2205, 2205 - 2206
 2206 - 2207, 2207 - 2208
 2208 - 2209, 2209 - 2210
 2210 - 2211, 2211 - 2212
 2212 - 2213, 2213 - 2214
 2214 - 2215, 2215 - 2216
 2216 - 2217, 2217 - 2218
 2218 - 2219, 2219 - 2220
 2220 - 2221, 2221 - 2222
 2222 - 2223, 2223 - 2224
 2224 - 2225, 2225 - 2226
 2226 - 2227, 2227 - 2228
 2228 - 2229, 2229 - 2230
 2230 - 2231, 2231 - 2232
 2232 - 2233, 2233 - 2234
 2234 - 2235, 2235 - 2236
 2236 - 2237, 2237 - 2238
 2238 - 2239, 2239 - 2240
 2240 - 2241, 2241 - 2242
 2242 - 2243, 2243 - 2244
 2244 - 2245, 2245 - 2246
 2246 - 2247, 2247 - 2248
 2248 - 2249, 2249 - 2250
 2250 - 2251, 2251 - 2252
 2252 - 2253, 2253 - 2254
 2254 - 2255, 2255 - 2256
 2256 - 2257, 2257 - 2258
 2258 - 2259, 2259 - 2260
 2260 - 2261, 2261 - 2262
 2262 - 2263, 2263 - 2264
 2264 - 2265, 2265 - 2266
 2266 - 2267, 2267 - 2268
 2268 - 2269, 2269 - 2270
 2270 - 2271, 2271 - 2272
 2272 - 2273, 2273 - 2274
 2274 - 2275, 2275 - 2276
 2276 - 2277, 2277 - 2278
 2278 - 2279, 2279 - 2280
 2280 - 2281, 2281 - 2282
 2282 - 2283, 2283 - 2284
 2284 - 2285, 2285 - 2286
 2286 - 2287, 2287 - 2288
 2288 - 2289, 2289 - 2290
 2290 - 2291, 2291 - 2292
 2292 - 2293, 2293 - 2294
 2294 - 2295, 2295 - 2296
 2296 - 2297, 2297 - 2298
 2298 - 2299, 2299 - 2300
 2300 - 2301, 2301 - 2302
 2302 - 2303, 2303 - 2304
 2304 - 2305, 2305 - 2306
 2306 - 2307, 2307 - 2308
 2308 - 2309, 2309 - 2310
 2310 - 2311, 2311 - 2312
 2312 - 2313, 2313 - 2314
 2314 - 2315, 2315 - 2316
 2316 - 2317, 2317 - 2318
 2318 - 2319, 2319 - 2320
 2320 - 2321, 2321 - 2322
 2322 - 2323, 2323 - 2324
 2324 - 2325, 2325 - 2326
 2326 - 2327, 2327 - 2328
 2328 - 2329, 2329 - 2330
 2330 - 2331, 2331 - 2332
 2332 - 2333, 2333 - 2334
 2334 - 2335, 2335 - 2336
 2336 - 2337, 2337 - 2338
 2338 - 2339, 2339 - 2340
 2340 - 2341, 2341 - 2342
 2342 - 2343, 2343 - 2344
 2344 - 2345, 2345 - 2346
 2346 - 2347, 2347 - 2348
 2348 - 2349, 2349 - 2350
 2350 - 2351, 2351 - 2352
 2352 - 2353, 2353 - 2354
 2354 - 2355, 2355 - 2356
 2356 - 2357, 2357 - 2358
 2358 - 2359, 2359 - 2360
 2360 - 2361, 2361 - 2362
 2362 - 2363, 2363 - 2364
 2364 - 2365, 2365 - 2366
 2366 - 2367, 2367 - 2368
 2368 - 2369, 2369 - 2370
 2370 - 2371, 2371 - 2372
 2372 - 2373, 2373 - 2374
 2374 - 2375, 2375 - 2376
 2376 - 2377, 2377 - 2378
 2378 - 2379, 2379 - 2380
 2380 - 2381, 2381 - 2382
 2382 - 2383, 2383 - 2384
 2384 - 2385, 2385 - 2386
 2386 - 2387, 2387 - 2388
 2388 - 2389, 2389 - 2390
 2390 - 2391, 2391 - 2392
 2392 - 2393, 2393 - 2394
 2394 - 2395, 2395 - 2396
 2396 - 2397, 2397 - 2398
 2398 - 2399, 2399 - 2400
 2400 - 2401, 2401 - 2402
 2402 - 2403, 2403 - 2404
 2404 - 2405, 2405 - 2406
 2406 - 2407, 2407 - 2408
 2408 - 2409, 2409 - 2410
 2410 - 2411, 2411 - 2412
 2412 - 2413, 2413 - 2414
 2414 - 2415, 2415 - 2416
 2416 - 2417, 2417 - 2418
 2418 - 2419, 2419 - 2420
 2420 - 2421, 2421 - 2422
 2422 - 2423, 2423 - 2424
 2424 - 2425, 2425 - 2426
 2426 - 2427, 2427 - 2428
 2428 - 2429, 2429 - 2430
 2430 - 2431, 2431 - 2432
 2432 - 2433, 2433 - 2434
 2434 - 2435, 2435 - 2436
 2436 - 2437, 2437 - 2438
 2438 - 2439, 2439 - 2440
 2440 - 2441, 2441 - 2442
 2442 - 2443, 2443 - 2444
 2444 - 2445, 2445 - 2446
 2446 - 2447, 2447 - 2448
 2448 - 2449, 2449 - 2450
 2450 - 2451, 2451 - 2452
 2452 - 2453, 2453 - 2454
 2454 - 2455, 2455 - 2456
 2456 - 2457, 2457 - 2458
 2458 - 2459, 2459 - 2460
 2460 - 2461, 2461 - 2462
 2462 - 2463, 2463 - 2464
 2464 - 2465, 2465 - 2466
 2466 - 2467, 2467 - 2468
 2468 - 2469, 2469 - 2470
 2470 - 2471, 2471 - 2472
 2472 - 2473, 2473 - 2474
 2474 - 2475, 2475 - 2476
 2476 - 2477, 2477 - 2478
 2478 - 2479, 2479 - 2480
 2480 - 2481, 2481 - 2482
 2482 - 2483, 2483 - 2484
 2484 - 2485, 2485 - 2486
 2486 - 2487, 2487 - 2488
 2488 - 2489, 2489 - 2490
 2490 - 2491, 2491 - 2492
 2492 - 2493, 2493 - 2494
 2494 - 2495, 2495 - 2496
 2496 - 2497, 2497 - 2498
 2498 - 2499, 2499 - 2500
 2500 - 2501, 2501 - 2502
 2502 - 2503, 2503 - 2504
 2504 - 2505, 2505 - 2506
 2506 - 2507, 2507 - 2508
 2508 - 2509, 2509 - 2510
 2510 - 2511, 2511 - 2512
 2512 - 2513, 2513 - 2514
 2514 - 2515, 2515 - 2516
 2516 - 2517, 2517 - 2518
 2518 - 2519, 2519 - 2520
 2520 - 2521, 2521 - 2522
 2522 - 2523, 2523 - 2524
 2524 - 2525, 2525 - 2526
 2526 - 2527, 2527 - 2528
 2528 - 2529, 2529 - 2530
 2530 - 2531, 2531 - 2532
 2532 - 2533, 2533 - 2534
 2534 - 2535, 2535 - 2536
 2536 - 2537, 2537 - 2538
 2538 - 2539, 2539 - 2540
 2540 - 2541, 2541 - 2542
 2542 - 2543, 2543 - 2544
 2544 - 2545, 2545 - 2546
 2546 - 2547, 2547 - 2548
 2548 - 2549, 2549 - 2550
 2550 - 2551, 2551 - 2552
 2552 - 2553, 2553 - 2554
 2554 - 2555, 2555 - 2556
 2556 - 2557, 2557 - 2558
 2558 - 2559, 2559 - 2560
 2560 - 2561, 2561 - 2562
 2562 - 2563, 2563 - 2564
 2564 - 2565, 2565 - 2566
 2566 - 2567, 2567 - 2568
 2568 - 2569, 2569 - 2570
 2570 - 2571, 2571 - 2572
 2572 - 2573, 2573 - 2574
 2574 - 2575, 2575 - 2576
 2576 - 2577, 2577 - 2578
 2578 - 2579, 2579 - 2580
 2580 - 2581, 2581 - 2582
 2582 - 2583, 2583 - 2584
 2584 - 2585, 2585 - 2586
 2586 - 2587, 2587 - 2588
 2588 - 2589, 2589 - 2590
 2590 - 2591, 2591 - 2592
 2592 - 2593, 2593 - 2594
 2594 - 2595, 2595 - 2596
 2596 - 2597, 2597 - 2598
 2598 - 2599, 2599 - 2600
 2600 - 2601, 2601 - 2602
 2602 - 2603, 2603 - 2604
 2604 - 2605, 2605 - 2606
 2606 - 2607, 2607 - 2608
 2608 - 2609, 2609 - 2610
 2610 - 2611, 2611 - 2612
 2612 - 2613, 2613 - 2614
 2614 - 2615, 2615 - 2616
 2616 - 2617, 2617 - 2618
 2618 - 2619, 2619 - 2620
 2620 - 2621, 2621 - 2622
 2622 - 2623, 2623 - 2624
 2624 - 2625, 2625 - 2626
 2626 - 2627, 2627 - 2628
 2628 - 2629, 2629 - 2630
 2630 - 2631, 2631 - 2632
 2632 - 2633, 2633 - 2634
 2634 - 2635, 2635 - 2636
 2636 - 2637, 2637 - 2638
 2638 - 2639, 2639 - 2640
 2640 - 2641, 2641 - 2642
 2642 - 2643, 2643 - 2644
 2644 - 2645, 2645 - 2646
 2646 - 2647, 2647 - 2648
 2648 - 2649, 2649 - 2650
 2650 - 2651, 2651 - 2652
 2652 - 2653, 2653 - 2654
 2654 - 2655, 2655 - 2656
 2656 - 2657, 2657 - 2658
 2658 - 2659, 2659 - 2660
 2660 - 2661, 2661 - 2662
 2662 - 2663, 2663 - 2664
 2664 - 2665, 2665 - 2666
 2666 - 2667, 2667 - 2668
 2668 - 2669, 2669 - 2670
 2670 - 2671, 2671 - 2672
 2672 - 2673, 2673 - 2674
 2674 - 2675, 2675 - 2676
 2676 - 2677, 2677 - 2678
 2678 - 2679, 2679 - 2680
 2680 - 2681, 2681 - 2682
 2682 - 2683, 2683 - 2684
 2684 - 2685, 2685 - 2686
 2686 - 2687, 2687 - 2688
 2688 - 2689, 2689 - 2690
 2690 - 2691, 2691 - 2692
 2692 - 2693, 2693 - 2694
 2694 - 2695, 2695 - 2696
 2696 - 2697, 2697 - 2698
 2698 - 2699, 2699 - 2700
 2700 - 2701, 2701 - 2702
 2702 - 2703, 2703 - 2704
 2704 - 2705, 2705 - 2706
 2706 - 2707, 2707 - 2708
 2708 - 2709, 2709 - 2710
 2710 - 2711, 2711 - 2712
 2712 - 2713, 2713 - 2714
 2714 - 2715, 2715 - 2716
 2716 - 2717, 2717 - 2718
 2718 - 2719, 2719 - 2720
 2720 - 2721, 2721 - 2722
 2722 - 2723, 2723 - 2724
 2724 - 2725, 2725 - 2726
 2726 - 2727, 2727 - 2728
 2728 - 2729, 2729 - 2730
 2730 - 2731, 2731 - 2732
 2732 - 2733, 2733 - 2734
 2734 - 2735, 2735 - 2736
 2736 - 2737, 2737 - 2738
 2738 - 2739, 2739 - 2740
 2740 - 2741, 2741 - 2742
 2742 - 2743, 2743 - 2744
 2744 - 2745, 2745 - 2746
 2746 - 2747, 2747 - 2748
 2748 - 2749, 2749 - 2750
 2750 - 2751, 2751 - 2752
 2752 - 2753, 2753 - 2754
 2754 - 2755, 2755 - 2756
 2756 - 2757, 2757 - 2758
 2758 - 2759, 2759 - 2760
 2760 - 2761, 2761 - 2762
 2762 - 2763, 2763 - 2764
 2764 - 2765, 2765 - 2766
 2766 - 2767, 2767 - 2768
 2768 - 2769, 2769 - 2770
 2770 - 2771, 2771 - 2772
 2772 - 2773, 2773 - 2774
 2774 - 2775, 2775 - 2776
 2776 - 2777, 2777 - 2778
 2778 - 2779, 2779 - 2780
 2780 - 2781, 2781 - 2782
 2782 - 2783, 2783 - 2784
 2784 - 2785, 2785 - 2786
 2786 - 2787, 2787 - 2788
 2788 - 2789, 2789 - 2790
 2790 - 2791, 2791 - 2792
 2792 - 2793, 2793 - 2794
 2794 - 2795, 2795 - 2796
 2796 - 2797, 2797 - 2798
 2798 - 2799, 2799 - 2800
 2800 - 2801, 2801 - 2802
 2802 - 2803, 2803 - 2804
 2804 - 2805, 2805 - 2806
 2806 - 2807, 2807 - 2808
 2808 - 2809, 2809 - 2810
 2810 - 2811, 2811 - 2812
 2812 - 2813, 2813 - 2814
 2814 - 2815, 2815 - 2816
 2816 - 2817, 2817 - 2818
 2818 - 2819, 2819 - 2820
 2820 - 2821, 2821 - 2822
 2822 - 2823, 2823 - 2824
 2824 - 2825, 2825 - 2826
 2826 - 2827, 2827 - 2828
 2828 - 2829, 2829 - 2830
 2830 - 2831, 2831 - 2832
 2832 - 2833, 2833 - 2834
 2834 - 2835, 2835 - 2836
 2836 - 2837, 2837 - 2838
 2838 - 2839, 2839 - 2840
 2840 - 2841, 2841 - 2842
 2842 - 2843, 2843 - 2844
 2844 - 2845, 2845 - 2846
 2846 - 2847, 2847 - 2848
 2848 - 2849, 2849 - 2850
 2850 - 2851, 2851 - 2852
 2852 - 2853, 2853 - 2854
 2854 - 2855, 2855 - 2856
 2856 - 2857, 2857 - 2858
 2858 - 2859, 2859 - 2860
 2860 - 2861, 2861 - 2862
 2862 - 2863, 2863 - 2864
 2864 - 2865, 2865 - 2866
 2866 - 2867, 2867 - 2868
 2868 - 2869, 2869 - 2870
 2870 - 2871, 2871 - 2872
 2872 - 2873, 2873 - 2874
 2874 - 2875, 2875 - 2876
 2876 - 2877, 2877 - 2878
 2878 - 2879, 2879 - 2880
 2880 - 2881, 2881 - 2882
 2882 - 2883, 2883 - 2884
 2884 - 2885, 2885 - 2886
 2886 - 2887, 2887 - 2888
 2888 - 2889, 2889 - 2890
 2890 - 2891, 2891 - 2892
 2892 - 2893, 2893 - 2894
 2894 - 2895, 2895 - 2896
 2896 - 2897, 2897 - 2898
 2898 - 2899, 2899 - 2900
 2900 - 2901, 2901 - 2902
 2902 - 2903, 2903 -

मांक 303६

क्रमांक

3031



मास्टर आफ आर्टस्

प्रमाणित किया जाता है कि भानु प्रताप सिंह

(सेन्ट ऐण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर)

ने इस विश्वविद्यालय से १९८३ की परीक्षा में

मास्टर आफ आर्टस् की उपाधि राजनीतिशास्त्र

विषय में द्वितीय श्रेणी में प्राप्त की।

Zareef

प्रबन्धक

चौधरी चरण सिंह मा. वि. लय
पदमपुर - बाण्डव नगर बस्ती (मृगो.)

गोरखपुर विश्वविद्यालय
विजयादशमी

मांक १९८३

प्रमाणित
कलपति

१९/८/८३

प्राचार्य

चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पदमपुर, बाण्डव नगर - बस्ती

क 20६४२

2३४

तमांक

गोरखपुर विश्वविद्यालय



बैचलर आफ एजुकेशन

प्रमाणित किया जाता है कि भानु प्रताप सिंह

ए जवाहर लाल नेहरू स्मारक स्नातकोत्तर म० वि० महाराजगंज -

गोरखपुर ने इस विश्वविद्यालय से १९८१ की परीक्षा

बैचलर आफ एजुकेशन की उपाधि प्राप्त की ।

इन्हें सिद्धान्त (थियरी) में प्रथम श्रेणी, प्रयोग
(प्रैक्टिस) में प्रथम श्रेणी तथा विशेष योग्यता मिली ।

गोरखपुर विश्वविद्यालय
विजयादशमी

दिनांक १६ अक्टूबर १९८१

20/10/81
प्रबन्धक

वैद्यो चरण सिंह महाविद्यालय
पद्मपुर - बागबन नगर बस्ती (यूपी.)

के.सी. पांडे
कुलपति

प्राचार्य

वैद्यो चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय

क 20682

298

क्रमांक

गोरखपुर विश्वविद्यालय



बैचलर आफ एजुकेशन

प्रमाणित किया जाता है कि — भानु प्रताप सिंह

ए जवाहर लाल नेहरू स्मारक स्नातकोत्तर म० वि० महाराजगंज —

गोरखपुर ने इस विश्वविद्यालय से १९८१ की परीक्षा

बैचलर आफ एजुकेशन की उपाधि प्राप्त की ।

इन्हें सिद्धान्त (थियरी) में — प्रथम — श्रेणी, प्रयोग

(प्रैक्टिस) में — प्रथम — श्रेणी तथा

विशेष योग्यता मिली ।

गोरखपुर विश्वविद्यालय

विजयादशमी

दिनांक १६ अक्टूबर १९८१

प्रबन्धक

ए. धी चरण सिंह महाविद्यालय
गोरखपुर - बागमन चौर बस्ती (यूपी.)

कुलपति

प्राचार्य



गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

138

1996 एम० एड० (नया पाठ्यक्रम) परीक्षा की अकतालिका

105967

अनुक्रमिकअभ्यर्थी का नाम.....प्रधान प्रताप सिंह

पिता/मति का नाम श्री.....रमाराज सिंह

नामांकन संख्या.....

अनिवार्य प्रश्न-पत्र	विशेष एवं अधिगम का मतोविज्ञान	शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ	वैकल्पिक प्रश्न-पत्र						समपूर्ण योग	परीक्षाफल
	प्रथम प्रश्न-पत्र	द्वितीय प्रश्न-पत्र	तृतीय प्रश्न-पत्र	शैक्षिक प्रश्न-पत्र	शैक्षिक प्रश्न-पत्र	शैक्षिक प्रश्न-पत्र	शैक्षिक प्रश्न-पत्र	शैक्षिक प्रश्न-पत्र		
विज्ञान के दार्शनिक एवं सामाज-राष्ट्रीय आधार	100	100	100	100	100	100	100	100	700	
अधिकतम अंक	36	36	36	36	36	36	36	36	252	
न्यूनतम अंक	65	65	65	65	65	65	65	65	459	

पूजा के 36 प्रतिशत अर्थात् 252 या इससे अधिक अंक पाने पर उत्तीर्ण हो या दो से अधिक प्रश्न पत्रों में 36 से कम अंक पाने पर अनुत्तीर्ण

ह० लेखक.....
ह० पर्यवेक्षक (1).....
(2).....
दिनांक.....14.3.97

24

प्रबन्धक
सोधी चरण सिंह महा विद्यालय
पदम पुर - पाण्डव नगर बरौती (मुर्शी)

परीक्षा नियन्त्रक

सम्पूर्ण योग शब्दों में चार सौ अगसठ मात्र